संत थॉमस स्कूल, धुर्वा, राँची – 4

(2020-21)

मॉडल उत्तर

कक्षा – छह पाठ – 15, अनोखा बदला

विषय – हिंदी पुस्तक – मंथन

मौखिक

उत्तर 1. ध्यानचंद के पिता भारतीय सेना में थे। पिता के लगातार होते तबादलों के कारण ध्यानचंद कक्षा छह से आगे विधिवत शिक्षा ग्रहण नहीं कर सके।

उत्तर 2. पंजाब रेजिमेंट और स्पेंसर एंड माइनर्स टीम के बीच मुकाबला हो रहा था। ध्यानचंद पंजाब रेजिमेंट की ओर से खेल रहे थे। माइनर्स टीम के खिलाड़ी उनसे गेंद छीनने की कोशिश कर रहे थे, परंतु उनकी सारी कोशिश बेकार हो रही थी। इसी कारण एक खिलाड़ी ने गुस्से मे आकर हॉकी ध्यानचंद के सिर पर दे मारी जिससे ध्यानचंद घायल हो गए।

उत्तर 3. ध्यानचंद 16 साल की उम्र में फर्स्ट ब्राहमिन रेजिमेंट में एक साधारण सिपाही के रूप में भरती हुए।

उत्तर 4. बर्लिन ओलंपिक के दौरान लोग उनके हॉकी खेलने के ढंग से इतने प्रभावित हुए कि उन्हें हॉकी का जादूगर कहा जाने लगा।

लिखित

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर 1. ध्यानचंद का जन्म 29 अगस्त, 1905 को इलाहाबाद , उत्तर प्रदेश में हुआ।

उत्तर 2. न्यूज़ीलैंड में भारतीय सेना ने अठारह मैच जीते।

उत्तर 3. 1933 के मैच जिसमें ध्यानचंद खेल रहे थे वह पंजाब रेजिमेंट और स्पेंसर एंड माइनर्स टीम के बीच हो रहा था।

उत्तर 4. ध्यानचंद 1936 में ओलंपिक टीम के कप्तान बने।

उत्तर 5. हिटलर ने यह जानने पर कि ध्यानचंद लांस नायक है अपने अधिकारी से कहा कि उससे कहो कि वह जर्मनी आ जाए, मैं उसे मार्शल बना दूँगा।

दीर्ध उत्तरीय प्रश्न

उत्तर 1. ध्यानचंद को रेजिमेंटों के बीच खेलते हुए सूबेदार मेजर वाले तिवारी ने देखा और इनकी प्रतिभा को पहचाना। उन्होनें ही इन्हें हॉकी खेलने की प्रेरणा दी।

उत्तर 2. बच्चों द्वारा पूछे जाने पर ध्यानचंद लगन, साधना और खेल भावना को सफलता के मंत्र बताते हैं।

उत्तर 3. न्यूज़ीलैंड जाने वाली टीम में ध्यानचंद को चुन लिया गया। ध्यानचंद के अद् भुत कौशल और उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण भारतीय आर्मी एक मैच हारने, दो ड्रॉ तथा अठारह हॉकी मैचों में जीत दर्ज कराने के बाद भारत लौटी। ध्यानचंद के खेल की प्रसिद्धि विश्व भर में छा गई। स्वदेश लौटने पर उन्हें प्रोन्नति करके लांस नायक बना दिया गया।

<u>पठित गद् यांश प्रश्न</u>

(क) (II) समेश्वर सिंह
(ख) (II) पंजाब रेजिमेंट
(ग) (III) 16 वर्ष

====समाप्त====